रिपोर्ट सं. / Report No. 550 (66/10/5)

सत्यमेव जयते

घरेलू कार्यों के साथ साथ विशिष्ट कार्यकलापों में महिलाओं की भागीदारी

Participation of Women in Specified Activities along with Domestic Duties

एन.एस.एस. 66 वां दौर

NSS 66th ROUND

(जुलाई 2009 - जून 2010)

(JULY 2009 – JUNE 2010)

नैशनल सैम्पल सर्वे ऑफिस

National Sample Survey Office

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

Ministry of Statistics and Programme Implementation

भारत सरकार

Government of India

फरवरी 2013

February 2013

Report No. 550 (66/10/5)

Participation of Women in Specified Activities along with Domestic Duties

NSS 66th ROUND
(July 2009 – June 2010)

National Sample Survey Office
Ministry of Statistics & Programme Implementation
Government of India

February 2013

प्राक्कथन

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के रोजगार और बेरोजगारी संबंधी सर्वेक्षण राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर श्रम बल के विभिन्न संकेतकों के बारे में आंकड़ों के बुनियादी स्रोत हैं । नियोजन, नीति निर्माण एवं निर्णय में मदद के लिए इन आंकड़ों का उपयोग किया जाता है तथा विभिन्न सरकारी संगठन, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और विद्वान इनका उपयोग सांख्यिकी प्रक्रियाओं के इनपुट के रूप में करते हैं । परिवारों के बड़े प्रतिदर्श आकार के साथ रोजगार और बेरोजगारी संबंधी सर्वेक्षण, एनएसएस के 27वें दौर (अक्तूबर 1972-सितंबर 1973) से पंचवार्षिक आधार पर आयोजित किए जा रहे हैं । जुलाई 2009-जून 2010 के दौरान किया गया एनएसएस का 66वें दौर का सर्वेक्षण, इस श्रृंखला का आठवां पंचवार्षिक सर्वेक्षण था जिसमें (i) परिवार उपभोक्ता व्यय और (ii) रोजगार तथा बेरोजगारी विषयों को सम्मिलित किया गया था । इस सर्वेक्षण का क्षेत्र-कार्य राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) द्वारा किया गया था जिसमें केन्द्रीय प्रतिदर्शों को सम्मिलित किया गया था । अधिकांश राज्य सरकारों ने भी समान प्रतिदर्श आकार के आधार पर इस सर्वेक्षण में सहभागिता की थी ।

केन्द्रीय प्रतिदर्श के आधार पर एनएसएसओ ने रोजगार और बेरोजगारी संबंधी पंचवार्षिक सर्वेक्षणों के निष्कर्ष कई प्रतिवेदनों के रूप में प्रकाशित किए हैं । एनएसएसओ ने जून 2011 में *भारत में रोजगार और बेरोजगारी 2009-10 के मुख्य संकेतक* जारी किए थे । इसके अलावा चार विस्तृत रिपोर्टें प्रकाशित की जा चुकी हैं और वर्तमान रिपोर्ट *"घरेलू कार्यों के साथ-साथ विशिष्ट कार्यकलापों में महिलाओं की भागीदारी, 2009-10"* एनएसएस के 66वें दौर के सर्वेक्षण के आधार पर रोजगार और बेरोजगारी के विभिन्न पहलुओं पर जारी आठ विस्तृत प्रतिवेदनों की श्रृंखला में पांचवीं है ।

यह ध्यान में रखते हुए कि महिलाओं के एक बड़े वर्ग की सामान्यत: घरेलू कार्यों में लिप्त रहते हुए परिवार को आर्थिक लाभ पहुंचाने वाले कार्यकलापों में भी कुछ भागीदारी होती है, परिवार के उन सभी सदस्यों जिनको युज्युअल प्रिंसिपल स्टेटस के अनुसार "घरेलू कार्यों में लिप्त" के रूप में वर्गीकृत किया गया था, से विशिष्ट कार्यकलापों के सेट में उनकी भागीदारी के संबंध में कुछ प्रश्न पूछे गए थे । इस प्रकार एकत्रित आंकड़ों के आधार पर, घरेलू कार्यों के साथ-साथ विशिष्ट कार्यकलापों में महिलाओं की भागीदारी के अनुमान इस रिपोर्ट में दर्शाए गए हैं । इस सर्वेक्षण के परिणामों का उपयोग भारत में सामान्य तौर पर आर्थिक कार्यकलापों में लगी महिलाओं की अधिकतम संख्या जानने के लिए भी किया जा सकता है, चाहे संदर्भित वर्ष में उनकी भागीदारी की इन्टेंसिटी कुछ भी रही हो । इस रिपोर्ट में तीन अध्याय और चार परिशिष्ट हैं । पहला अध्याय परिचय के तौर पर है । अध्याय दो में सर्वेक्षण में प्रयुक्त अवधारणाएं तथा परिभाषाएं दी गई हैं । इस रिपोर्ट में दिए गए अनुमानों से संबंधित मुख्य निष्कर्ष अध्याय तीन में प्रस्तुत किए गए हैं ।

एनएसएसओ अपने सर्वेक्षण निष्कर्ष तथा रिपोर्टें समय पर उपलब्ध कराने का प्रयास करता रहा है ताकि उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा सके । सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष और यूनिट स्तर के आंकड़े क्षेत्र-कार्य पूरा हो जाने के एक वर्ष के अन्दर जारी कर दिए गए हैं । एनएसएसओ के विभिन्न प्रभागों द्वारा विभिन्न कार्यकलापों के बेहतरीन नियोजन और निष्पादन तथा एनएसएसओ के स्टाफ तथा सहायक अधिकारियों की कठिन मेहनत से यह प्रतिवेदन वर्तमान रूप में संभव हो सका है । मैं राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग(एनएससी) और 66वें दौर के कार्यकारी समूह को प्रतिवेदन बेहतर बनाने के लिए मूल्यवान सुझावों तथा विभिन्न स्तरों पर मूल्यवान टिप्पणियों के लिए धन्यवाद देता हूं ।

मैं आशा करता हूँ कि, यह रिपोर्ट योजनाकारों, नीतिनिर्माताओं तथा शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी होगी । इसकी विषय-वस्तु तथा कवरेज में सुधार हेतु सुझावों का स्वागत है ।

विजय कुमार

(विजय कुमार)
महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय

नई दिल्ली
फरवरी, 2013